।। अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत ।।

'A' Grade NAAC Re-Accredited (3rd Cycle)

Kavayitri Bahinabai Chudhari

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY

JALGAON

Syllabus For

M.A. Part - II

(IIIrd & IVth Semester)

HINDI

सुधारित पाठ्यक्रम

(w.e.f. June 2018)

एम.ए. हिन्दी भाग - II

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्नपत्र - 9	HIN - 0231 - सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य
प्रश्नपत्र - 10	HIN - 0232 - विशेष स्तर - भाषा विज्ञान
प्रश्नपत्र - 11	HIN - 0233 - विशेष स्तर - हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल
प्रश्नपत्र - 12	HIN - 0234 - विशेष स्तर - वैकल्पिक
	HIN - 0234 - (A) हिन्दी आलोचना
	HIN - 0234 - (B) लोक साहित्य
	HIN - 0234 - (C) हिन्दी पत्रकारिता
प्रश्नपत्र - 13	HIN - 0241 - सामान्य स्तर - काव्य नाटक एवं नई कविता
प्रश्नपत्र - 14	HIN - 0242 - विशेष स्तर - हिन्दी भाषा
प्रश्नपत्र - 15	HIN - 0243 - विशेष स्तर - हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल
प्रश्नपत्र - 16	HIN - 0244 - विशेष स्तर - वैकल्पिक
	HIN - 0244 - (A) मीडिया लेखन
	HIN - 0244 - (B) प्रयोजनमूलक हिन्दी
	HIN - 0244 - (C) अनुवाद विज्ञान

तृतीय सत्र (IIIrd Semester)

प्रश्नपत्र - 9 - HIN - 0231 - सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य

उद्देश्य - (i) छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

(ii) आधुनिक काल के महाकाव्य एवं खण्डकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना।

(iii) भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था तथा समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें :-

1) कामायनी - जयशंकर प्रसाद, विक्रम प्रकाशन, ई-5/13 कृष्णनगर दिल्ली
(केवल श्रद्धा और लज्जा सर्ग पर संदर्भ पूछे जायेंगे।)

2) कालजयी - भवानी प्रसाद मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) प्रसाद साहित्य में उदात्त तत्व - व्दिवेदी विद्यावती
2) हिंदी काव्य में प्रेम भावना - खंडेलवाल
3) छायावादी काव्य में कर्म चेतना - कन्हैया
4) कामायनी - एक - पुनर्विचार - मुक्तिबोध
5) कामायनी के पात्र - मेहता
6) सप्तक काव्य में व्यंग्य विधान - डॉ. गिरीश महाजन
7) नवे दशक की हिंदी कविता में नैतिक मूल्य - अशोक वसंतराव मर्डे
8) जयशंकर प्रसाद और लक्ष्मीनारायण - नैथानी
9) प्रसाद की काव्य प्रतिमा - नागर विमल शंकर
10) भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य में व्यंग्य - डॉ. गिरीश महाजन, डॉ. अजित चव्हाण
11) कामायनी विवेचनात्मक अध्ययन -सरोज भारत भूषण
12) भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य यात्रा - संतोषकुमार तिवारी
13) प्रसाद के नारी चरित्र - देवेश ठाकुर
14) भवानीप्रसाद मिश्र - विजय बहादुरसिंह

प्रश्नपत्र - 10 विशेष स्तर - HIN - 0232 भाषा विज्ञान

* उद्देश्य :-

i) भाषा विज्ञान की नव्यतम शाखाओं का अध्ययन करना।

ii) भाषा स्वन उच्चारण प्रक्रिया को समझकर शुध्द उच्चारण करना।

iii) भाषा से अर्थ प्रतीति किस तरह होती है - समझना।

* पाठ्यक्रम :-

1) भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन का परंपरागत स्वरूप। (इस टॉपीक पर प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।)

2) भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ- कोश विज्ञान, समाजभाषा विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय।

3) स्वन एवं स्वनिम विज्ञान - स्वन का स्वरूप, स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण, वागवयवऔर उच्चारण प्रक्रिया, स्वनों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन। स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण। स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। स्वनिम का स्वरूप, स्वनिम का निर्धारण,स्वनिम के भेद।

4) रूप एवं रूपिम विज्ञान - रूप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसके भेद, रूप के कार्य। रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद, रूप स्वनिम विज्ञान।

5) वाक्य विज्ञान - वाक्य का स्वरूप, अभिहितान्वयवाद (पद वाद) अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद) वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

6) अर्थ विज्ञान - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थप्रतीति, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

* संदर्भ ग्रंथ :-

1) आधुनिकभाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) आधुनिक भाष विज्ञान - डॉ. केशवदत्त रूवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा।
3) मुग्धबोध भाषा विज्ञान - डॉ. रामेश्वर दयाल अग्रवाल, साधना प्रकाशन, मेरठ।
4) समाज भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
5) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6) भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।
7) भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम - डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
8) भाषा विज्ञान - अनूप सिंह।
9) भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।
10) भाषा विज्ञान एवं हिंदी - डॉ. सुधाकर कलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपुर।

प्रश्नपत्र - 11 विशेष स्तर - HIN - 0233- हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल।

* उद्देश्य :-

1) छात्रों को युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के औचित्य से परिचित कराना ।
2) आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान करना ।
3) प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय प्रदान करना।

* पाठ्यक्रम :-

आदिकाल :-

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार।
2) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।
3) रासो साहित्य परंपरा - रासो शब्द के विभिन्न अर्थ, रासो के प्रकार। पृथ्वीराज रासो की कथ्यगतऔर शैलीगत विशेषताएँ।
4) अपभ्रंश, सिध्द, नाथ साहित्य का परिचय और उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय।
5) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय।

भक्तिकाल :-

6) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ।
7) निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रेममार्ग एवं ज्ञानमार्ग स्वरूप और प्रवृत्तियाँ।
8) ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधि कवि कबीर का साहित्यिक परिचय।
9) प्रेममार्ग के प्रतिनिधि कवि जायसी का साहित्यिक परिचय।
10) सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद - रामभक्ति शाखा - स्वरूप और प्रवृत्तियाँ तथा उसमें तुलसीदास का स्थान। कृष्णभक्ति शाखा- स्वरूप और प्रवृत्तियाँ तथा उसमें सुरदास का स्थान।
11) कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - रसखानऔर मीराँ का साहित्यिक परिचय।
12) भक्तिकाल - हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल- परिचय।

* रीतिकाल :-

13) रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार।

14) रीतिकालीन सामाजिक धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ।

15) रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ। रीतिबध्द, रीतिसिध्द, और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय।

16) रीतितर काव्यधाराओं का स्थूल परिचय - राष्ट्रीय कवि भूषण, नीति कार रहीम।

* संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

2) हिंदी साहित्य की भूमिका: उद्‌भव विकास- डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।

3) भक्तिकाव्य और वर्तमान समय - संपादक रतनकुमार पाण्डेय।

4) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल।

5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।

6) हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र।

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र।

8) हिंदी साहित्य का आदिकाल- हजारीप्रसाद द्विवेदी।

9) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा।

प्रश्नपत्र - 12 - HIN - 0234 विशेष स्तर - वैकल्पिक

HIN - 0234 (A) हिंदी आलोचना

* उद्देश्य :-

i) आलोचना के स्वरूप और प्रवृत्ति का ज्ञान कराना।

ii) आलोचना के विकासक्रम का परिचय देना।

iii) हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना प्रणाली एवं आलोचना की तारतम्यता का बोध कराना।

iv) निर्धारित आलोचकों की आलोचना पध्दतियों के द्वारा छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।

* पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचक-

1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

3) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

4) डॉ. नगेन्द्र

5) डॉ. रामविलास शर्मा

6) डॉ. नामवर सिंह

* अध्ययनार्थ विषय :-

1) आलोचना का स्वरूप एवं उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया, आलोचक के गुण।

2) निर्धारित आलोचकों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना का अध्ययन, साम्य एवं वैषम्य।

3) आधुनिक हिंदी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का स्थान।

4) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की समन्वयशील आलोचना।

5) आलोचना के आधार - काव्यशास्त्रीय, वाद, सिध्दांत एवं विमर्श।

6) हिंदी आलोचना का विकासक्रम।

7) डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पध्दति।

8) डॉ. रामविलास शर्मा की मार्क्सवादी आलोचना।

9) डॉ. नामवर सिंह की आधुनिक आलोचना पध्दति।

10) आलोचना का भविष्य।

* संदर्भ ग्रंथ:-

1) हिंदी आलोचना उद्‌भव और विकास- भगवत स्वरूप मिश्र - साहित्य सदन, देहरादून

2) हिंदी के विशिष्ट आलोचक- नंदकुमार राय, वसुमति प्रकाशन, इलाहाबाद।

3) हिंदी की सैध्दांतिक आलोचना - रूपकिशोर, कानपुर।

4) हिंदी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ - रामदरश मिश्र, मॅकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) हिंदी आलोचना का इतिहास - रामदरश मिश्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

6) हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन,दिल्ली।

7) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सं.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी। नैशनल प्रकाशन, दिल्ली

8) डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिध्दांत - चौबे नारायण प्रसाद, नैशनल प्रकाशन, दिल्ली।

9) डॉ. रामविलास शर्मा - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10) आलोचक रामविलास शर्मा - नत्थनसिंह, विभूति प्रकाशन, नई दिल्ली।

11) हिंदी आलोचना: स्वरूप और प्रक्रिया- सं. आनंद प्रकाश दीक्षित।

12) आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत - डॉ. रामलाल सिंह।

13) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा।

14) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपति चंद्रगुप्त।

15) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : व्यक्ति और साहित्य- डॉ. रामाधार शर्मा।

16) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ.रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।

17) दूसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह।

18) स्वच्छंदतावादी समीक्षा नये आयाम - मिथिलेश सिंह।

19) हिंदी आलोचना के नाभि पुरूष नगेन्द्र- डॉ. शैलजा माहेश्वरी, भावना प्रकाशन, दिल्ली।

20) हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी।

प्रश्नपत्र 12 - HIN - 0234 (B) लोक साहित्य

* उद्देश्य -

i) लोकसाहित्य के स्वरूप को समझते हुए उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना।

ii) लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को समझाना।

iii) लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना।

* पाठ्यक्रम :-

1) 'लोक' शब्द की व्याख्या, लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ, लोकसाहित्य का वर्गीकरण,लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य और वैषम्य, लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व।

2) लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव-विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, धर्मशास्त्र।

3) लोकगीत- परिभाषा, निर्माण तत्व, विशेषताएँ, लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों के प्रमुखप्रकार- सोहर, विवाह, गौना,कजली, होली, लोरी (लोकगीतों का सामान्य परिचय।)

4) लोकगाथा- प्रमुख लक्षण, लोकगाथाओं का वर्गीकरण, आल्हा, गोरा-बादल, भरसरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय।

5) लोककथा- लोककथा का स्वरूप एवं वर्गीकरण, लोककथा में अभिप्राय, लोककथा की विशेषताएँ।

6) लोकनाट्य- लोकनाट्य की विशेषताएँ, भारत के प्रमुख लोकनाट्य- रामलीला, रासलीला,भवई, यक्षगान, तमाशा, जात्रा,मॉच, नौटंकी (सामान्य परिचय)

7) प्रकीर्ण साहित्य - मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना-टोटका।

* संदर्भ ग्रंथ :-

1) भारतीय लोकसाहित्य- डॉ. श्याम परमार

2) लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय

3) लोकसाहित्य सिध्दांत और प्रयोग- डॉ. श्रीराम शर्मा

4) लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ.कुंदनलाल उप्रेति

5) खडी बोली का साहित्य - डॉ. सत्या गुप्त

6) लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येंद्र

7) लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

8) महाराष्ट्र का हिंदी लोककाव्य- डॉ.कृष्ण दिवाकर

9) लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ.कुलदीप

10) लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान

11) हिंदी लोकसाहित्य शास्त्र, सिध्दांत और विकास- डॉ. अनुसया अग्रवाल, नीरज बुक सेंटर,दिल्ली।

12) लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा

13) लोककथा विज्ञान - श्रीचन्द जैन

14) लोकधर्मी नाट्य परम्परा - डॉ. श्याम परमार

15) लोकनाट्य- परम्परा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेन्द्र भनावत

16) भारत के लोकनाट्य- डॉ. शिवकुमार मधुर

17) लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. नन्दलाल कल्ला, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

18) भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा- दुर्गा भागवत अनु.डॉ. स्वर्णकांता

HIN 12 - 0234 - (C) हिंदी पत्रकारिता

* उद्देश्य :-

1) पत्रकारिता आधुनिक साहित्य विधाओं में सर्वाधिक प्रसिध्द और प्रभावशाली विद्या है, उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना।
2) पत्रकारिता एक विद्या के साथ ही साहित्य के प्रचार-प्रसार का भी विशिष्ट साधन है, उसकी व्यापकता को समझाना।
3) पत्रकारिता का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना।
4) हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का परिचय देना।

* पाठ्यक्रम:-

1) पत्रकारिता अवधारणा और स्वरूप, अर्थ, परिभाषा, पत्रकारिता के विविध माध्यम, पत्रकार के गुण, दायित्व।
2) हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास- प्रारंभिक युग, भारतेन्दू युग, द्विवेदी युग, गांधी युग,स्वातंत्र्योत्तर युग।
3) पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार - जन पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता,ग्रामीण पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, अपराध-खोजी पत्रकारिता, युवा बाल एवं महिला पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता।
4) मुक्त प्रेस की अवधारणा और प्रेस - कानून राज्याश्रय- संवरण। पत्रोद्‌योगी की गतिविधि,
   विज्ञापन वृत्ति,
   अधिनियमन, सेवा की नई शर्ते, संवेदनशून्यता।
5) भावी (इक्कीसवीं शती की) पत्रकारिता।

* संदर्भ ग्रंथ:-

1) हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र।

2) हिन्दी भाष के सामायिक पत्रों का इतिहास - राधाकृष्ण दास।

3) समाचार पत्रों का इतिहास - पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

4) पत्र और पत्रकार- पं. कमलापति त्रिपाठी।

5) हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रमेशकुमार जैन।

6) हिन्दी पत्रकारिताके विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक।

7) जनमाध्यम और पत्रकारिता- भाग 1 - और 2 - प्रवीण दीक्षित।

8) स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. अर्जुन तिवारी।

9) सम्पूर्ण पत्रकारिता- हेरम्ब मिश्र।

10) हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास - अनन्त बिहारी माथुर।

11) जन पत्रकरिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क- प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित।

12) भारत में पत्रकरित- आलोक मेहता।

13) पत्रकारिता और साहित्य - डॉ.मु.ब. शहा।

14) पत्रकार कला - विष्णुदत्त शुक्ल।

15) पत्र और पत्रकार- कमलापति त्रिपाठी।

16) पत्रकारिता के मूल सिध्दांत - डॉ. श्रीपाल शर्मा।

17) पत्रकारिता के प्रतिमान - डॉ. प्रेमचन्द गोस्वामी।

18) हिन्दी पत्रकारिता विकास और विविध आयाम - डॉ. सुशीला जोशी।

19) हिन्दी की दशा और पत्रकारिता- बालकृष्ण भट्ट

20) जनसंचार और पत्रकारिता: विविध आयाम - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।

एम.ए. हिंदी भाग- II

तृतीय सत्र (IIIrd Semester)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र - 9 - HIN - 0231 - सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य

सूचनाएँ - प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पॉच प्रश्न पूछे जाऍगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकोंका होगा।

प्रश्न क्र. 1 : कामायनी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 2 :कालजयी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 3 : टिप्पणियाँ

कामायनी पर (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 4 : टिप्पणियाँ

कालजयी पर (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 5 : संसदर्भ व्याख्या

(अ) कामायनी पर (दो में से एक)

(आ) कालजयी पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 10 - विशेष स्तर - HIN 0232 - भाषा विज्ञान

* सूचनाएँ :-

i) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

ii) प्रश्न क्र. 1, 2, 3 एवं 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

iii) प्रश्न क्र. 5 : यह एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्नों का होगा।कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से किन्हीं छः के उत्तर अपेक्षित। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक दिए जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।

प्रश्नपत्र - 11 - विशेष स्तर - HIN 0233 - हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल

* सूचनाएँ - प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1) आदिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 2) भक्तिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 3) रीतिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 4) आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल पर एक-एक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित है।

प्रश्न क्र. 5) आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित है।

प्रश्नपत्र - 12 - HIN - 0234 - विशेष स्तर - वैकल्पिक-

(A) हिन्दी आलोचना

सूचनाएँ :-

1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

2) प्रश्न 1 एवं 2 आलोचना के सैध्दांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र. 3, 4, एवं 5 पाठ्यक्रम के आलोचकों पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्नपत्र - 12 - HIN - 0234 - विशेष स्तर - वैकल्पिक-

(B) लोक साहित्य

सूचनाएँ :-

1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा।

2) प्रश्न क्र.1, 2, एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र.4 - लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

4) प्रश्न क्र. 5 - टिप्पणियों पर आधारित प्रश्न (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र - 12 - HIN - 0234 - विशेष स्तर - वैकल्पिक-

(C) हिन्दी पत्रकारिता

सूचनाएँ :-

1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा।

2) प्रश्न क्र. 1, 2, एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र.4 - टिप्पणियों पर आधारित प्रश्न (तीन में से दो)

4) प्रश्न क्र. 5 - यह एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्नों का होगा। कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से किन्हीं छ: के उत्तर अपेक्षित। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक दिए जायेंगे। उत्तर पूर्ण वाक्य में अपेक्षित।

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

तृतीय सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ.क्र	विषय	अ.क्र.	विषय
1.	प्रश्नपत्र-HI9-2310- सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य	1.	प्रश्नपत्र - 9 - HIN - 0231 - सामान्यस्त - महाकाव्य और खण्डकाव्य
2.	प्रश्नपत्र-HI10-2320- भाषा विज्ञान	2.	प्रश्नपत्र - 10 - विशेष स्तर - HIN 0232 - भाषा विज्ञान
3.	प्रश्नपत्र-HI11-2330- हिंदी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल	3.	प्रश्नपत्र - 11 - विशेष स्तर - HIN 0233 - हिंदी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल
4.	प्रश्नपत्र-HI12-2340- विशेष स्तर : वैकल्पिक (A) हिंदी आलोचना	4.	प्रश्नपत्र - 12 - HIN - 0234 - विशेष स्तर - वैकल्पिक- (A) हिन्दी आलोचना
5.	(B) लोक साहित्य	5.	(B) लोक साहित्य
6.	(C) हिंदी पत्रकारिता	6.	(C) हिन्दी पत्रकारिता

चतुर्थ सत्र (IVth Semester)

प्रश्नपत्र - 13 - HIN - 0241 - सामान्य स्तर

काव्य नाटक एवं नई कविता

* उद्देश्य:-

1) आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

2) आधुनिक काल के काव्य नाटक एवं नई कविता की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना तथा इन विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।

* पाठ्यक्रम:-

1) एककंठ विषपायी - दुष्यंतकुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2) नवधा- संपादित- नवधा - सं. सच्चिदानंद वात्सायन तथा जगदिश गुप्त ,भारतीय साहित्य प्रकाशन,57 ए,न्यू आरे नगर,जेलरोड मेरठ -250004 प्रकाशन वर्ष 2016

इस संग्रहकी निम्निलिखितकविताएँ पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित की गई है -

(अ) शमशेरबहादुर सिंह -

कविताएँ - (i) गीत (ii) धिर गया है समय का रथ (iii) एक पीली शाम

(आ) अज्ञेय -

कविताएँ - (i) कलगी बाजरे की (ii) शब्द और सत्य (iii) सोन मछली (iv) नाच

(इ) गजानन माधव मुक्तिबोध -

कविताएँ - (i) आत्मा के मित्र मेरे (ii) दूर तारा (iii) मृत्यु और कवि (iv) मुझे पुकारती हुई पुकार (v) सहर्ष स्वीकार है।

(ई) नरेश मेहता -

कविताएँ - (i) चाहता मन (ii) मेरा संकल्प (iii) कोई है ? संकोचवश

* संदर्भ ग्रंथ -

1) नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर- डॉ. संतोषकुमार तिवारी।

2) तारसप्तक के कवि - काव्यशिल्प के मान - कृष्णलाल साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।

3) अज्ञेय एवं मुक्तिबोध - डॉ. ललिता राठोड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

4) युगपुरूष कवि अज्ञेय - डॉ. रामेश्वर बाँगड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

5) अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन- डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर।

6) गजानन माधव मुक्तिबोध : जीवन और काव्य - डॉ. महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली।

7) मुक्तिबोध की काव्यभाषा - डॉ. रतनकुमार, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।

8) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य की बनावट और बुनावट - मधु माहेश्वरी।

9) अज्ञेय साहित्य और चिंतन - प्रा. नामदेव जासूद।

10) नई कविता की नाट्यभूमिका- डॉ. हुकूमचंद राजपाल।

11) नई कविता के नाट्यकाव्य- डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक'।

12) दुष्यन्तकुमार : रचनाएँ और रचनाकार- गणेश अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

13) दुष्यन्तकुमार और उनका साहित्य-डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक', प्रमोद प्रकाशन, दिल्ली।

14) नयी कविता : नये धरातल - डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक' पदम प्रकाशन।

प्रश्नपत्र - 14 - HIN - 0242 विशेष स्तर - हिंदी भाषा

* उद्देश्य -

1) हिंदी भाषा के उद्‌भव और विकास को समझना।

2) हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझना।

3) देवनागरी लिपि का मानक रूप और उपादेयता को समझना।

4) संगणक में हिन्दी प्रयोगण को जानना।

* पाठ्यक्रम:-

1) अ) प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय। आ)मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ- (क) पाली (ख) प्राकृत- प्राकृत के प्रमुख भेद (ग) अपभ्रंश की विशेषताएँ।

2) हिंदी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय। खडी बोली, ब्रज, अवधी, दाक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और रूपात्मक, साहित्यिक परिचय।

3) हिंदी शब्द निर्माण- उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

4) हिंदी भाषा का व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन, एवं कारक का सोदाहरण परिचय।

5) देवनागरी लिपि - विशेषताएँ, देवनागरी लिपि के मानकीकरण के प्रयत्न। देवनागरी लिपि का मानक रूप, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता। देवनागरी लिपि की खामियाँ।

* संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास- डॉ. उदय नारायण तिवारी।

2) हिंदी : उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी।

3) हिंदी भाषा का परिचय - बिन्दु माधव मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

4) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी।

5) भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।

6) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

7) भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

8) हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण- डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया।

9) आधुनिक हिंदी विविध आयाम - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 15 - HIN - 0243 विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

* उद्देश्य -

1) आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

2) आधुनिक काल के गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना।

3) आधुनिक काल की पद्य रचनाओं का परिचय देना।

* पाठ्यक्रम :- गद्य

1) परिस्थितियाँ - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं उनका साहित्य पर प्रभाव।

2) उपन्यास विधा का विकास- प्रेमचन्द्रपूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग।

3) कहानी विधा का विकास- स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।

4) नाटक विधा का विकास- प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग।

5) निबंध विधा का विकास- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग।

पद्य :-

1) भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

2) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3) राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्य धारा।

4) छायावाद की प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी।

5) प्रगतिवाद : प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ।

6) प्रयोगवाद : प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता।

7) गीत-गजल-नवगीत का संक्षिप्त परिचय।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री

2) हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी।

3) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य - रामरतन भटनागर।

4) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक- डॉ. रीता कुमार।

5) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना।

6) आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास- डॉ. श्रीकृष्णलाल।

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

8) आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह।

9) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी।

10) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र।

11) हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

12) हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा।

13) नवगीत : संवेदना और शिल्प - डॉ. सत्येंद्र शर्मा।

14) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. मधु खराटे।

15) हिंदी गजल के विविध आयाम - डॉ. सरदार मुजावर।

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 - विशेष स्तर - वैकल्पिक

(A) मीडिया लेखन

उद्देश्य:-

1) मीडिया लेखन के महत्व को समझाना।

2) मीडिया लेखन के प्रकारों का परिचय देना।

3) मीडिया लेखन की उपादेयता पर प्रकाश डालना।

4) मीडिया लेखन की क्षमता को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम:-

(अ) जनसंचार माध्यम :

1) जनसंचार माध्यम : परिभाषा एवं स्वरूप, महत्व।

2) जनसंचार माध्यम का विकास।

3) जनसंचार माध्यमों के प्रकार।

(आ) मुद्रित माध्यम :

1) समाचार पत्र की परिभाषा एवं स्वरूप।

2) समाचार पत्र का महत्व एवं आवश्यकता।

3) समचार पत्र हेतु लेखन- समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, रिर्पोताज लेखन, विज्ञापन लेखन एवं साक्षात्कार।

(इ) श्रव्य माध्यम :

1) रेडियो लेखन के सिध्दांत।

2) रेडियो के लिए समाचार लेखन।

3) रेडियो वार्ता लेखन।

4) रेडियो नाटक लेखन।

5) रेडियो रूपांतर लेखन।

(ई) दृक - श्राव्य माध्यम - दूरदर्शन:

1) दूरदर्शन लेखन के सिध्दांत।

2) दृक-श्राव्यमाध्यम-दूरदर्शन का स्वरूप एवं महत्व।

3) दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन।

4) धारावाहिक (सिरियल) लेखन।

* संदर्भ गंथ:-

1) मीडिया लेखन: सिध्दांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) मीडिया लेखन के सिध्दांत - एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

3) मीडिया और हिंदी- सं. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेन्द्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन,कानपुर।

4) प्रयोजनमूलक हिंदी - हरिश, विश्वविद्यालय प्रकाशन, आगरा।

5) मीडिया लेखन- सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) संचार माध्यम लेखन- गौरीशंकर राणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

7) उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।

8) मीडिया और समाज -संजय गुलाठी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

9) मीडिया, भाषा और संस्कृति- कमलेश्वर, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली।

10) मीडिया विमर्श (पत्रकारिता) - रामशरण जोशी, समय प्रकाशन, नई दिल्ली।

11) टेलिविजन लेखन- सं.असगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।

12) टेलिविजन पटकथा लेखन- विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, दिल्ली।

13) रेडिओ नाटक की कला - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14) टेलिविजन लेखन- सिध्दांत और प्रयोग- कुमुद नागर, भारत प्रकाशन, लखनऊ।

15) रेडियो लेखन- मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

16) रेडियो वार्ता शिल्प - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

17) रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

18) भारतीय मीडिया अंतरंग पहचान - सं. स्मिता मिश्र, भारत पुस्तक भांडार, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 - विशेष स्तर - वैकल्पिक

(B) प्रयोजनमूलक हिंदी

* उद्देश्य :-

1) हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना।

2) पत्राचार के विविध रूपों से परिचय कराना।

3) जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना।

4) अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना।

* पाठ्यक्रम :-

1) प्रयोजनमूलक हिंदी: सिध्दान्त एवं प्रविधि - प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता, प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप एवं व्याख्या तथा प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ।

2) हिंदी के विभिन्न रूप - साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यमभाषा।

3) देवनागरी लिपि - गुण, वैज्ञानिकता, दोष, सुधार मानक, वर्णमाला और संगणकीय दृष्टि से देवनागरी लिपि, नागरी अंक, भारतीय अंकों के अंतराष्ट्रीय रूप।

4) पत्राचार - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदनपत्र, - छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतनवृध्दि के लिए आवेदन, सरकारी पत्र कार्यालय आदेश, अर्ध्द सरकारी पत्र, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति।

5) कम्प्युटर - परिचय, रूपरेखा, उपयोग- इंटरनेट संपर्क उपकरण, वेब पब्लिशिंग।

6) अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि एवं अनुवाद के प्रकार।

* संदर्भ ग्रंथ:-

1) पारिभाषिक शब्द संग्रह- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली।
2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली।
3) मानक हिंदी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशान, दिल्ली।
4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
5) हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा - सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6) मीडिया लेखन- रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल, भारत प्रकाशन, दिल्ली।
7) प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग- डॉ. दंगलझाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8) प्रयोजनमूलक हिंदी - कमल बोस, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
9) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1 से 3) डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर।
10) प्रयोजनमूलक हिंदी - लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
11) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. महेंद्र राणा।
12) प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका- कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 - विशेष स्तर - वैकल्पिक
(C) अनुवाद विज्ञान

* उद्देश्य:-

1) छात्रों में अनुवाद की क्षमता विकसित करना।

2) अनुवाद कें सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करना।

3) अनूदित साहित्य का महत्व समझाना।

* पाठ्यक्रम:-

1) अनुवाद की परिभाषाएँ तथा स्वरूप।

2) अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य।

3) अनुवाद की प्रक्रिया- मूलभाषा के पाठबोधन, लक्ष्यभाषा में विशेषताएँ, अर्थहानि, अर्थान्ततरण,अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद।

4) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष।

5) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोगका महत्व - द्विभाषिककोश, त्रिभाषिककोश, वर्णनात्मककोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, सयंत्र।

6) रचनात्मक साहित्य के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ एवं सीमाएँ।

7) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, विशेषताएँ एवं समस्याएँ।

8) अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न - आवश्यकता तथा निकष।

9) अनुवादक की योग्यता, कर्तव्य एवं आचार संहिता, सफल अनुवादक की कसौटियाँ।

10) हिंदी साहित्य में अनुवाद कार्य की परंपरा का इतिहास।

11) अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित)

* संदर्भ ग्रंथ :-

1) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) अनुवाद कला :कुछ विचार - आनंद प्रकाश खोभानी

3) अनुवाद कला - चारूदत्त शास्त्री

4) अनुवाद : सिध्दांत और व्यवहार - एस.के. शर्मा

5) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6) अनुवाद भाषाएँ -समस्याएँ- एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, दिल्ली।

7) रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान - डॉ. सुरेश माहेश्वरी, भावना प्रकाशन, दिल्ली।

8) अनुवाद विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति - सं.डॉ.मु.ब. शहा, डॉ. पीताम्बर सरोदे

9) अनुवादकता और समस्याएँ - वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रकाशन और सांस्कृतिक ग्रंथालय

10) अनुवाद सिध्दांत एवं स्वरूप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवाकान्त गोस्वामी

11) अनुवाद निरूपण- डॉ. भारती गोरे

12) अनुवाद - डॉ. रामगोपल सिंह

13) अनुवाद विज्ञान - सं. डॉ. सुरेश तायडे

एम.ए. हिंदी भाग- II

चतुर्थ सत्र (IVth Semester)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र - 13 - HIN - 0241 - सामान्य स्तर

काव्य नाटक एवं नई कविता

सूचनाएँ - i) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

ii) प्रश्न क्र.1 : एककंठ विषपायी पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

iii) प्रश्न क्र.2 : नवधा पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

iv) प्रश्न क्र.3 : एककंठ विषपायी पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

v) प्रश्न क्र.4 : नवधा पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

vi) प्रश्न क्र.5: ससंदर्भ व्याख्या - अ) एककंठ विषपायी पर (दो में से एक)

आ) नवधा पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 14 - विशेष स्तर - HIN - 0242

हिंदी भाषा

* सूचनाएँ :-

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्रश्न क्र. 1, 2, 3 एवं 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र.5 टिप्पणियों पर आधारित होगा। (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र - 15 - विशेष स्तर - HIN - 0243

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

* सूचनाएँ :-

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्रश्न क्र. 1 एवं 2 गद्य पर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र. 3 एवं 4 पद्य पर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

4) प्रश्न क्र. 5 लघुत्तरी प्रश्न - अ) गद्य पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

आ) पद्य पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 विशेष स्तर - वैकल्पिक (A) मीडिया लेखन

* सूचनाएँ :- प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

प्र.क्र. 1) जनसंचार माध्यम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 2) मुद्रित माध्यम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 3) श्राव्य माध्यम-रेडियो पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 4) दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 5) टिप्पणियाँ लिखिए- (अ) श्राव्य - माध्यम रेडियो पर आधारित (दो में से एक)

(आ) दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन पर आधारित (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 विशेष स्तर - वैकल्पिक (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

* सूचनाएँ :-

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्र.क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्र.क्र. 4) टिप्पणियाँ लिखिए (तीन में से दो)

4) प्र.क्र. 5) लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 विशेष स्तर - वैकल्पिक (C) अनुवाद विज्ञान

* सूचनाएँ :-

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्र.क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्र.क्र. 4) लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

4) प्र.क्र. 5) मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद करना।

(गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित)

एम.ए. भाग- 2 (हिंदी)

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

चतुर्थ सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ.क्र	विषय	अ.क्र	विषय
1.	प्रश्नपत्र- 13-HI-2410- सामान्य स्तर - काव्य नाटक, नई कविता, और ग़ज़ल	1.	प्रश्नपत्र - 13 - HIN - 0241 -सामान्य स्तर काव्य नाटक एवं नई कविता
2.	प्रश्नपत्र-14-HI-2420- विशेष स्तर - हिंदी भाषा	2.	प्रश्नपत्र - 14 - विशेष स्तर - HIN - 0242 हिंदी भाषा
3.	प्रश्नपत्र-15-HI-2330- विशेष स्तर - हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	3.	प्रश्नपत्र - 15 - विशेष स्तर - HIN - 0243 हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
4.	प्रश्नपत्र-16-HI-2340- विशेष स्तर : वैकल्पिक (रोजगारपरक) (A) मीडिया लेखन (B) प्रयोजनमूलक हिंदी (C) अनुवाद विज्ञान	4.	प्रश्नपत्र - 16 - HIN - 0244 विशेष स्तर - वैकल्पिक (A) मीडिया लेखन वैकल्पिक (B) प्रयोजनमूलक हिंदी वैकल्पिक (C) अनुवाद विज्ञान

डॉ. महेंद्र रघुवंशी
समन्वयक -जी.टी.पी. कॉलेज,नंदुरबार

डॉ. सुनील कुलकर्णी
अध्यक्ष - हिंदी अध्ययन मंडल